स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में धर्मशाला से आया तिब्बती प्रतिनिधिमंडल।

बोहर गांव स्थित स्कॉलर रोजरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आया तिब्बती प्रतिनिधिमंडल

अमर उजाला ब्यूरो

रोहतक।

तिब्बत से आए प्राचार्यों और हेडमास्टरों के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को बोहर गांव स्थित स्कॉलर्स रोजरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में धर्मशाला के शिक्षाविभाग की अधिकारी के साथ तिब्बती स्कूलों के मुखिया और स्नो लायन फाउंडेशन के पदाधिकारी शामिल थे। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्य स्कूल के शिक्षकों और बच्चों से रू-ब-रू हुए। उन्होंने न केवल स्कूल में दी जा रही शिक्षा पद्धति को जाना, बल्कि बच्चों से उनके लक्ष्य और गणित से संबंधित सवाल भी पूछे। छोटे उस्तादों के आत्मविश्वास और हाजिर जवाबी ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का दिल जीत लिया। प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल प्रबंधन की ओर से संस्कृति और नैतिक मूल्यों को संजोने की जमकर तारीफ की। प्रतिस्पर्धा के दौर में बच्चों को मानसिक दबाव से उबारने के लिए मेडिटेशन कराने का सुझाव भी दिया।

बाद में स्कूल में प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकारों से अपने अनुभव और सुझावों को साझा किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ताशी डोरजी ने बताया कि अमूमन बच्चों से सवाल पूछा जाता है तो वह डर जाते हैं। लेकिन इस स्कूल के बच्चों ने सभी सवालों के जवाब पूरे आत्मविश्वास से दिए। सीटीए की शिक्षा अधिकारी तेंजीन यांगचेन ने बताया कि जब उन्होंने बच्चों से उनके लक्ष्य के बारे में पूछा तो सभी का विजन साफ था कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना है। उन्हें यह जानकर अच्छा लगा कि भारत का भविष्य डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर जैसी लीक से हटकर सिंगर, क्रिकेटर, कोरियोग्राफर बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि घर में दो बच्चे संभालना मुश्किल होता है, लेकिन स्कूल में छह हजार बच्चों को इतने अच्छे तरीके से संभालना काबिल-ए-तारीफ है।

स्कूल की प्रधानाचार्या प्रीति गुगनानी ने बताया कि ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की ओर से आईएएस ऑफिसर, सिविल सर्विसेज, राज्य और अन्य राज्यों की सरकारों के लिए एग्जीक्यूटिव एजुकेशन प्रोग्राम कराया जाता है। विद्यार्थी लीडरशिप, मैनेजमेंट और कम्यूनिकेशन, ऑर्गेनाइज्ड व्यवहार को अच्छी तरह से जान सकें इसलिए दो सप्ताह का कार्यक्रम होता है। इसमें बच्चों को चुनिंदा बेहतरीन स्कूलों का दौरा कराया जाता है, ताकि वे बेहतर सीख सकें। गुगनानी ने बताया कि इसलिए जिंदल यूनिवर्सिटी ने उनका स्कूल तय किया और सेंट्रल तिब्बन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) ने अपने स्कूलों के प्राचार्यों और हेड मास्टरों के प्रतिनिधिमंडल को यहां भेजा। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर डॉ. रवि गुगनानी, हेडमास्टर नोरबू नायमा, डोरजी डेमडुल, सोनम डोरजी, जंपा सेगपो, गोनपो वांगचुक, फुरबु तिनले, दावा गयात्सो, तेंजीन रेबगयुल आदि मौजूद रहे।